वाचकांच्या पहिल्या पसंतीचे
मराठी राष्ट्रीय दैनिक

लोकमत

अकोला शुक्रवार, दि.२ मे २००८ पृष्ठे : १४+८ किंमत - रु. २.५०

बालमजुरीविरोधी दिनानिमित्त बालसन्मान रॅली

■ लोकमत युवा मंच, बाल विकास मंच आणि वादिमच्या नेतृत्वात

अकोला, दि.१ (प्रतिनिधी) : ३० एप्रिल बालमजुरी विरोधी दिनानिमित्त आज बालसन्मान रॅलीचे आयोजन करण्यात आले. याच पार्श्वभूमीवर वादिम (विदर्भ अॅक्शन फॉर डेव्हलपमेंट अॅन्ड इंट्रीगेशन ऑफ मार्जिन लाईन) या विविध स्वयंसेवी सामाजिक संघटनांच्या समन्वयातर्फे तसेच लोकमत युवामंच व बालविकास मंच, समाज कार्य महाविद्यालय (रामराव सरनाईक) पी.डी. पाटील समाजकार्य महाविद्यालय, सेवाधर्म बहुउद्देशीय संस्था, कस्तुरी मानव विकास संस्था, स्व. नानाबाप्पू देशमुख बहुउद्देशीय शिक्षण संस्था, कुटासा, एस ग्रुप सेवाभावी संस्था, पहाट बहुउद्देशीय संस्था, सोबत अपेक्षा होमिओ सोसायटी, सेव्ह दी चिल्ड्रेन, बालरक्षा भारत महाराष्ट्र शिक्षण अभियान, ऍक्शन एड् आदि संस्थांच्या सहयोगाने बालसन्मान अभियान विदर्भात तसेच अकोल्यात राबविण्यात येत आहे. त्याच माध्यमातून या रॅलीचे आयोजन करण्यात आले आहे. या रॅलीचे नेतृत्व वादिमचे अध्यक्ष नितीन चौधरी, सेवाधर्म बहुउद्देशीय संस्थेचे प्रा.काठोडे, प्रा.किशोर वाहाणे, तुषार हांडे, युवा मंच संयोजक आशिष वानखडे, बालविकास मंचचे संयोजक विकास पल्हाडे, संतोष मोहरील, सत्यम पळसपगार, सरकारी कामगार, अधिकारी एस.एस. बहुरुपी, एस.पी. देशमुख, बालगृह अधीक्षक जी.एस.तुपसागर आदींच्या नेतृत्वात काढण्यात आली. रॅलीत सचिन सावदेकर, प्रभाकर निकड, शंतनू वक्टे, संदीप घाटोळ, शुभांगी बनसोड, अपूर्णा टिकार, सीमा मुरूमकार, राजश्री शहाणे, सत्यम पळसपगार, संजय बेलोकार, प्रवीण मानकर, प्रवीण दाभाडे, उमेश कोईनकर, राहुल चव्हाण, चेतन वाडीवाले, राजेश सुरळकर, सोबतच बाल निरीक्षणगृहातील बालके, ठाकरे, संदीप देशमुख आदी प्रामुख्याने सहभागी झाले होते.

बालमजुरीविरोधी दिनानिमित्त अकोल्यात निघालेली बालसन्मान रॅली

ही रॅली स्वराज्य भवन गांधीरोड येथून निघून जिल्हाधिकारी कार्यालयात झाली. त्या ठिकाणी प्रभारी निवासी उपजिल्हाधिकारी ओ.आर.अग्रवाल यांच्या समक्ष बालमजुरी निर्मूलनाची शपथ घेण्यात आली. त्यानंतर वादिमतर्फे त्यांना शहरात ठिकठिकाणी सुरू असलेल्या बालमजुरीसंदर्भात निवेदन सादर केले. तसेच शासनाच्या कृतीला गतिशील करणे आणि पाठपुरावा करण्याबाबत चर्चा करण्यात आली.

लोकमत
समाचार
अकोला ▪ नागपुर ▪ औरंगाबाद ▪ कोल्हापुर से एकसाथ प्रकाशित
वर्ष : 9 अंक : 273 गुरुवार, 1 मई 2008 ▪ पृष्ठ : 12 मूल्य 1.00 रुपया

बाल मजदूरी विरोधी रैली निकाली

विश्व बाल दिवस पर निकली रैली तथा शपथ लेते मान्यवर.

बाल विकास मंच, युवा मंच एवं वादिम का संयुक्त आयोजन

अकोला, ३० अप्रैल (लोस.)

लोकमत युवा मंच, बालविकास मंच तथा वादिम के संयुक्त नेतृत्त्व में बाल मजदूरी विरोधी दिन के उपलक्ष में बाल सम्मान रैली का आयोजन किया गया.

आयोजित इस रैली में शहर के वादिम तथा विविध सामाजिक संगठनों के तहत लोकमत युवा मंच बाल विकास मंच, समाजकार्य महाविद्यालय, पी.डी.पाटिल समाजकार्य महाविद्यालय सेवा धर्म, बहुउद्देशीय संस्था, कस्तूरी मानव विकास संस्था, दिवंगत नाना बापु देशमुख बहुउद्देशीय शिक्षा संस्था कुटासा, हास ग्रुप सेवाभावी संस्था पहाट बहुउद्देशीय संस्था होमियो सोसाइटी, सेव्ह द चिल्ड्रेन बालरक्षा शिक्षा अभियान एक्शन एड. आदि ने हिस्सा लिया तथा बाल सम्मान अभियान को आगे बढ़ा कर रैली का आयोजन किया. रैली का नेतृत्त्व वादिम के अध्यक्ष नितिन चौघड़ी, सेवा धर्म बहुउद्देशीय संस्था के प्रा. काठोड़े, प्रा. किशोर वाहणे, तुषार हांडे, युवमंचा संयोजक आशीष वानखड़े, बाल विकास मंच संयोजक विकास पल्हाड़े, संतोष मोहरील, सत्यम पलसपगार, सरकारी कामगार अधिकारी, एस.एस. बहुरुपी, एस.पी. देशमुख, बालगृह अधीक्षक जी. एस. उप-सागर आदि ने नेतृत्त्व किया. रैली स्वराज भवन गांधी रोड से निकलकर जिलाधिकारी कार्यालय पर सम्पन्न हुई. यहाँ प्रभारी उप-जिलाधिकारी ओ. आर. अग्रवाल के समक्ष बाल मजदूरी निर्मूलन की घोषणा की गई तथा वादिम की तरफ से इस संदर्भ में निवेदन भी सौंपा गया. रैली कार्यक्रम सफल करने में सचिन सावदेकर, प्रभाकर निकड़, शमन वक्टे, संदीप घारोड़, शुभांगी बनसोड, अपर्णा टिकार, सीमा मुरुमकार, राजश्री शहाणे, सत्यम पलसपगार, संजय बेलोकार, प्रवीण मानकर, प्रवीण दाभाड़े, उमेश कोइनकर, राहुल चव्हाण, चेतन वाड़ीवाले, राजेश सुरड़कर, श्रीमती ठाकरे तथा संदीप देशमुख ने परिश्रम किया.

लोकमत
समाचार
अकोला ■ नागपुर ■ औरंगाबाद ■ कोल्हापुर से एकसाथ प्रकाशित

वर्ष : 9 अंक : 272 | बुधवार, 30 अप्रैल 2008 ■ पृष्ठ : 12+8 | मूल्य 2.50 रुपया

बाल मजदूरी के विरोध में बाल-सम्मान रैली आज

अकोला,२९ अप्रैल(लोस)

: बाल मजदूरी आज़ाद हिन्दुस्तान के लिए एक अभिशाप है. रोजाना हम न जाने कितने मासूम बच्चों को मजबूरी के चलते अपने भविष्य पर कालिख पोतते देखते हैं. अक्सर हम चाह कर भी कुछ नहीं कर पाते. इसके लिए किसी एक व्यक्ति का प्रयास ही सब कुछ नहीं है बल्कि देश के इस भविष्यकारों का भविष्य सुधारने के लिए संगठित प्रयास की आवश्यक्ता है. ३० अप्रैल को बाल मजदूरी विरोध दिन पर बाल मजदूरी को जड़ से मिटाने का संकल्प ले लोकमत युवा मंच, बाल विकास मंच तथा सामाजिक संस्था वदिम(विदर्भ एक्शन फार डेवलपमेंट एण्ड इन्ट्रीगेशन आफ मार्जिनल्स), एन. डी अकोला कस्तूरी मानव विकास मंडल, सेवाधर्म एवं बाल महाराष्ट्र शिक्षण अभियान, बाल अधिकार अभियान, बाल रक्षा, भारत सेव द चिल्ड्रेन, अपेक्षा होमिओ सोसाइटी सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा बाल-सम्मान रैली का आयोजन किया गया है.

यह रैली सुबह ९ बजे स्वराज्य भवन से शुरू होकर गांधी रोड, तहसील कार्यालय के सामने से होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुँच जाएगी, जहाँ इस कुरीति को मिटाने की शपथ लेकर रैली का समापन किया जाएगा. इस रैली के दौरान सामाजिक क्षेत्रों में सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता, संस्था के पदाधिकारी तथा युवा मंच के सदस्य उपस्थित रहेंगे. देश के भविष्यों की रक्षा के लिए आयोजित इस रैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान युवा मंच जिला संयोजक आशीष वानखड़े, बाल विकास मंच के संयोजक विकास पल्हाड़े, कस्तूरी के प्रा.किशोर वाहाणे, पहाट के आशीष कसले, सत्यम पलसपगार तथा प्रसिद्धि प्रमुख संदीप देशमुख ने किया है.

बाल मजदूरों के पुनर्वास में अकोला फिसड्डी

शैलेंद्र दुबे

अकोला, २९ अप्रैल.

खेलने-कूदने और सीखने की उम्र में कई जगह बच्चे मजदूरी करते पाए जाते हैं. समाज में व्याप्त आर्थिक विषमता के कारण कमजोर कंधों पर परिवार के उदर-निर्वाह की बड़ी जिम्मेदारी आ जाती है और उनका बचपन छिन जाता है. ज़िंदगी का आनंद लेने की उम्र में बच्चे मजदूरी करने लगते हैं. बाल मजदूरी रोकने के लिए पुख्ता कानून बने हैं और ऐसे बच्चों के पुनर्वास की योजनाएँ भी हैं. बाल मजदूरों को मजदूरी के जंजाल से आज़ाद कर उनके पुनर्वास की जिम्मेदारी राष्ट्रीय बाल मजदूर पुनर्वास समिति पर है. लेकिन अकोला में बाल मजदूरों के पुनर्वास में समिति उदासीन ही रही है.

बाल मजदूरी पर रोक लगाने के लिए बाल मजदूर प्रतिबंधक कानून १९८६ अस्तित्व में है, फिर भी जिले में हजारों बाल मजदूर काम करते देखे जाते हैं. समाज भी उनकी अनदेखी करता नज़र आता है. राष्ट्रीय बाल मजदूर पुनर्वास समिति वर्ष २००० से अस्तित्व में है, लेकिन समिति बालकों के पुनर्वास में पीछे रह गई है. वर्ष २००० में बाल मजदूरों के सर्वेक्षण के लिए समिति को निधि भी मिली थी. सरकारी गाड़ियों में बैठकर बाल मजदूरों के संदर्भ में सर्वेक्षण किया गया. सर्वेक्षण के उपरांत बाल मजदूरों की सूची शिक्षा विभाग को भेजकर कामगार आयुक्त कार्यालय ने संभवत: अपनी जिम्मेदारी की इतिश्री कर ली. समिति को प्राप्त लाखों रुपयों की निधि पड़ी रही, लेकिन उसका उपयोग नहीं किया .गया. फलस्वरूप खर्च नहीं होने के कारण निधि लौटानी पड़ी. उसके बाद से अब तक समिति की ओर से बाल मजदूरों के पुनर्वास का कोई पुख्ता कार्य किए जाने की जानकारी नहीं है.

महाराष्ट्र सरकार ने अप्रैल २००६ में बाल मजदूरों की खोज कर उन्हें मजदूरी से मुक्त कराने के लिए 'कृति दल' की स्थापना की. अकोला में भी कृति दल तो है, लेकिन सरकारी निर्णय के अनुसार उसका नियोजन होता दिखाई नहीं देता. कृति दल को हर माह संगठित कर बाल मजदूरी के संदर्भ में आई शिकायतों का निवारण जरूरी है, लेकिन शिकायतें पड़ी रहती हैं, उन पर गौर नहीं किया जाता. जबकि शिकायत मिलने पर २४ घंटों में उसका निवारण किया जाना चाहिए. कभी-कभार उपस्थिति दर्शाने के लिए औपचारिक कार्रवाई की जाती है. राज्य सरकार ने बाल मजदूरों के पुनर्वास के लिए पिछले साल राज्य कृति संरचना 'यशदा' के तहत १९ करोड़ रुपयों से ज़्यादा रकम मंजूर की. उसके तहत कामगार आयुक्त के माध्यम से कार्यशाला भी ली गई, लेकिन कृति संरचना पर कृति की गई हो, ऐसा अब तक सामने नहीं आया है. राष्ट्रीय बाल मजदूर पुनर्वास समिति को अन्य जिलों में लाखों रुपयों की निधि मिली, लेकिन अकोला पिछड़ा रहा. अकोला जिले में बाल मजदूरों के पुनर्वास की योजनाओं के प्रति बेहद उदासीनता देखी जा रही है, जिसके चलते बाल मजदूरों के पुनर्वास पर सवालिया निशान लग गया है.

उदासीन है राष्ट्रीय बाल मजदूर पुनर्वास समिति

विश्व बाल मजदूरी दिन पर विशेष

इस संदर्भ में महाराष्ट्र राज्य बाल कामगार मुक्त जिलास्तरीय कृति दल के सदस्य प्रा. किशोर वाहने से बात किए जाने पर उन्होंने कहा कि- बाल मजदूरों के पुनर्वास की योजनाओं पर प्रभावी रूप से अमल करने के लिए कामगार आयुक्त को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए. बाल मजदूरों को मजदूरी के जंजाल से मुक्त कराने के लिए बनायी गई समितियों के माध्यम से सरकार से निधि हासिल करने की कोशिश की जानी चाहिए. उसी तरह कृति संरचना तैयार कर बाल मजदूरों के पुनर्वास के लिए कोशिश की जानी चाहिए.

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की 'इंडस' योजना में अकोला को शामिल करने के प्रयास होने चाहिए. प्रा. किशोर वाहने ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन दिल्ली के 'आइएलओ.' के मानकों के अनुरूप बाल मजदूरी दूर करने के लिए अकोला को चुना गया था, लेकिन प्रशासकीय स्तर पर पुख्ता कोशिश नहीं होने के कारण अकोला का नाम हटा दिया गया. प्रा. वाहने के अनुसार ३० अप्रैल विश्व बाल मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाता है. इस उपलक्ष में बाल मजदूरों को उनका बचपन लौटाने के लिए कामगार आयुक्त कार्यालय तथा प्रशासन को गंभीर होकर बाल मजदूरों के पुनर्वास का संकल्प करना चाहिए.

वाचकांच्या पहिल्या पसंतीचे मराठी राष्ट्रीय दैनिक

लोकमत

अकोला | मंगळवार, दि.२९ एप्रिल २००८ | पृष्ठे : १६ | किंमत - रु. १.००

बालसन्मान रॅलीत सहभागी व्हा युवा मंच व वदिमचे आवाहन

अकोला, दि. २८ (प्रतिनिधी) : बालमजुरीविरोधी दिनानिमित्त नागरिकांमध्ये जाणीव-जागृती निर्माण करण्यासाठी लोकमत युवा मंच, बाल विकास मंच, वदिम यांच्यासह विविध सामाजिक संघटनांच्या वतीने अकोला शहरात ३० एप्रिल रोजी सकाळी ९ वाजता रॅली आयोजित करण्यात आली आहे. या रॅलीला नागरिकांनी मोठ्या संख्येने उपस्थित राहावे, असे आवाहन करण्यात आले आहे.

रॅलीमध्ये युवा मंच, बालविकास मंच, वदीम (विदर्भ ॲक्शन फॉर डेव्हलपमेंट ॲन्ड इन्ट्रीगेशन ऑफ मार्गीलनाझस) पाहार, अकोला, एन.डी अकोला कस्तुरी मानव विकास मंडळ, सेवाधर्म व बाल महाराष्ट्र शिक्षण अभियान, बाल हक्क अभियान, बाल रक्षा, भारत सेव्ह दि चिल्ड्रेन, अपेक्षा होमिओ सोसायटी व इतर सामाजिक संस्थेच्या सहभागाने होत आहे.

बालमजुरी ही समस्या दिवसेंदिवस वाढत आहे. समाजात बालमजुरी बंद करण्यासाठी सामूहिक प्रयत्न करणे आवश्यक आहेत. त्यासाठी रॅलीचे आयोजन केले आहे. सामाजिक जाणीवेच्या सर्व व्यक्तींनी सामाजिक संस्थेच्या पदाधिकारी व युवा मंच सदस्यांनी उपस्थित राहावे.

ही रॅली स्वराज्य भवन, गांधी रोड, तहसील कार्यालयासमोरून जिल्हाधिकारी कार्यालयात या रॅलीचे शपथविधीसह समारोप होणार आहे. बालसन्मान रॅलीत युवक-युवतींनी सहभागी व्हावे, असे आवाहन युवा मंचचे जिल्हा संयोजक आशिष वानखडे, बाल विकास मंचचे संयोजक विकास पल्हाडे, प्रा. किशोर वाहाणे, कस्तुरीचे, पाहाटचे आशिष कसले, सत्यम पळसपगार यांनी केले आहे, असे प्रसिद्धी प्रमुख संदीप देशमुख यांनी कळविले आहे.